>

Title: Need to construct a Barrage on Yamuna river in Agra Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

प्रो. रामशंकर (आगरा): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र आगरा में और आगरा से लगी हुयी जो दो तहसीलें हैं, उनमें नीचे का पानी पूरी तरह से खारा है। उसमें फ्लोराइड है और वहां का पानी पीने लायक नहीं है। आगरा में जो यमुना नदी बहती है, उस यमुना नदी में पानी नहीं है। जो हथिनीकुंड से पानी छोड़ा जाता है, वह पानी नोएडा में और नोएडा से निकलकर दिल्ली और मथुरा तक सिमट जाता है।

एक बूंद पानी भी आगरा में नहीं जाता है। आगरा में जो यमुना नदी है उसमें जो गंदे नाले गिर रहे हैं उन गंदे नालों के गिरने के कारण पानी गंदा हो चुका है। उनके किनारे गांव हैं। अभी हजारों भैंसे उस गंदे पानी को पी कर मर गई। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि आगरा की जमीन में जो खारा पानी है वह पानी हर साल पांच फुट पानी नीचे जा रहा है। पानी बिल्कुल नहीं मिल रहा है। इसलिए यमुना नदी में पर्याप्त पानी छोड़ा जाए जो गंदे नाले यमुना में गिर रहे हैं उनको रोका जाए। वहां पर बहुत लंबे समय से मांग चल रही है कि यमुना में बैराज बनाया जाए। जिस प्रकार मथुरा एवं अन्य जगहों पर बैराज बना है ऐसे ही आगरा में बैराज बनाया जाए जिससे ताजमहल बच सके और ताजमहल की जनता भी बच सके। ताजमहल की नींव में जो लकड़ी है वह लकड़ी पानी के अभाव में सिकुड़ रही है। ताजमहल को भी खतरा है इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि यमुना में तुंत बैराज बनाए जाएं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : ठीक है, आपने अपनी भावना व्यक्त कर दी।

प्रो. रामशंकर : महोदय, मैं सिर्फ एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। एक किश्त भी स्वीकृत हुई हो चुकी है लेकिन अभी तक वह बैराज नहीं बनाया जा रहा है। आपसे निवेदन है कि तुंत बैराज बनाया जाए।